G.P. · Psychology
B.A. I (H) - Paper-I
Classical Conditioning Theory

PAGE NO.: 01
DATE :

रूस के Physiologist - I.P. Pavlov ने पाचन क्रिया के physiology का एक विशेष अध्ययन किया। उनका यह अध्ययन इतना महत्वपूर्ण एवं लोकप्रिय हुआ कि 1904 में उन्हें इसके लिए नोबल पुरस्कार मिला। Pavlov ने बिल्कुल ही संयोग से लारमय अनुबन्धन की घटना का अध्ययन किया और इससे सम्बन्धित सीखने के एक सिद्धान्त का प्रतिपादन किया। Pavlov के इस सिद्धान्त को Conditioned Response Theory / classical conditioning Theory / Respodent Conditioning Theory / Type-S Theory के नाम से जाना जाता है।

Pavlov ने अपने सीखने के सिद्धान्त का आधार अनुबन्धन को माना है। "अनुबन्धन एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके द्वारा उद्दीपक तथा अनुक्रिया के बीच एक साहचर्य स्थापित होता है।"

Pavlov ने एक कुत्ते पर प्रयोग कर यह निष्कर्ष निकाला कि यदि तटस्थ उद्दीपक को किसी उपयुक्त एवं स्वाभाविक उद्दीपक के साथ बार-बार दिया जाता है तो तटस्थ उद्दीपक के प्रति प्राणी वैसी ही अनुक्रिया करना सीख लेता है जैसा कि वह उपयुक्त एवं स्वाभाविक उद्दीपक के प्रति करता है। Pavlov के प्रयोग में घंटी की आवाज (तटस्थ उद्दीपक) को भोजन (स्वाभाविक उद्दीपक) के साथ बार-बार दिया गया जिससे कुत्ता घंटी की आवाज (तटस्थ उद्दीपक) पर स्वाभाविक अनुक्रिया (लार-स्राव) सीख लिया।

Scanned with CamScanner

Pavlovian Conditioning के मुख्य चार अंग है :-

(1) UCS :→ स्वाभाविक उद्दीपक (Unconditioned stimulus) वैसे उद्दीपक को कहा जाता है जो बिना किसी पूर्व प्रशिक्षण के ही प्राणी में अनुक्रिया उत्पन्न करता है। Pavlov के प्रयोग में भोजन UCS है।

(2) UCR :- स्वाभाविक अनुक्रिया (Unconditioned Response) वैसी अनुक्रिया को कहा जाता है जो स्वाभाविक उद्दीपक अर्थात् UCS द्वारा उत्पन्न होता है। Pavlov के प्रयोग में भोजन को देखकर कुत्ते में लार का स्राव होना एक UCR है।

(3) CS :- अनुबन्धित उद्दीपक (Conditioned stimulus) वैसे उद्दीपक को कहा जाता है जिसे UCS के साथ या कुछ सेकेण्ड पहले लगातार कुछ प्रयासों तक दिया जाता है। Pavlov के प्रयोग में घंटी की आवाज एक CS है।

(4) CR :- जब CS को UCS के साथ संयोजित किया जाता है तो कुछ प्रयासों के बाद CS के प्रति प्राणी ठीक वैसी ही अनुक्रिया करता है जैसा कि वह UCS के प्रति करता था। इस तरह की अनुक्रिया को अनुबन्धित अनुक्रिया (Conditioned Response-CR) कहते हैं। Pavlov के प्रयोग में बिना भोजन देखे सिर्फ घंटी की आवाज पर कुत्ते का लार-स्राव एक CR है।

बाद में कई मनोवैज्ञानिकों ने गेड़, बकरी आदि पर प्रयोग कर Pavlov के निष्कर्ष को वैध ठहराया गया। परन्तु कुछ मनोवैज्ञानिकों ने इसकी आलोचना भी की है। प्रमुख आलोचनाएँ इस

Scanned with CamScanner

प्रकार है :—

(1) Pavlov ने सीखने के लिए पुनर्बलन को आवश्यक माना है। परन्तु Tolman & Honzik (1930), Blodgett (1929) आदि मनोवैज्ञानिकों ने अपने प्रयोगों के आधार पर यह सिद्ध किया है कि सीखने के लिए पुनर्बलन आवश्यक नहीं है। हाँ, सीखी गई अनुक्रिया को स्पष्ट रूप से अभिव्यक्त करने अर्थात् निष्पादन के लिए पुनर्बलन की आवश्यकता होती है।

(2) Pavlov ने सीखने के लिए पुनरावृत्ति को आवश्यक माना है। परन्तु अक्सर यह देखा गया है कि व्यक्ति के कुछ पल ऐसे भी होते हैं जहाँ वह मात्र एक ही बार की अनुभूति में सीख लेता है। जैसे गर्म बर्तन को एक ही बार के स्पर्श से व्यक्ति सीख लेता है कि गर्म बर्तन को नहीं छूना चाहिए।

(3) कुछ मनोवैज्ञानिकों ने Pavlov के प्रयोगात्मक परिस्थिति पर सवाल उठाया है। Pavlov के प्रयोग में कुत्ता एक ऐसे उपकरण के सहारे बंधा हुआ था कि वह निष्क्रिय भूमिका में था। यदि कुत्ता सक्रिय होकर घूम-फिर कर सकता तो सीखने की व्याख्या इतनी यांत्रिक नहीं होती।

(4) कुछ आलोचकों का मत है कि Pavlov द्वारा प्रतिपादित सीखना एक अस्थायी तथा आंशिक रूप से प्राणी के व्यवहार में परिवर्तन करता है। कुत्ता घंटी की आवाज पर तभी तक लार स्राव करता था जब तक घंटी की आवाज के बाद उसे भोजन दिया जाता था। भोजन बंद कर दिए जाने पर घंटी की आवाज पर लार-स्राव की अनुक्रिया धीरे-धीरे लुप्त हो गई।

—